

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट मुकाम खण्डेला

सान्त्तराम वगै. बनाम भूमिधारी

मुकदमा या धोषणा व सुरस्ती रिकार्ड (310 धा0 88) गु0नं0 58 सन् 2024

हुकम या कार्यवाही मय इनीशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तारीख  
में जारी हुए

वकील वादी श्री बरान्त कुमार ने हाजिर अदालत होकर वाद पत्र पेश किया। वाद पत्र दर्ज रजिस्टर किया जावे। प्रतिवादी की तलबी जरिये सम्मन की जाकर पत्रावली दिनांक 06.06.2024 को पेश हो।

342  
17/5/24

6/6/24  
पत्रावली पेश हुई। बकुलाय उप./  
अनुपम/भूमिधारी अधिकारी  
द्वारे पर/अ.म. कार्य में धरना  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आदेश  
दिनांक 3/7/24 को पेश हो।

3/7/24

पत्रावली पेश हुई। बरान्त वादी उपस्थित।  
उपस्थित ल.के नोडल मजिस्ट्रेट लम्पस वर हे रोकर  
पत्रावली में शामिल हो रका उपस्थित ल.। भूमिधारी  
वद्वारा रकबा रकबा का जमान। रिपोर्ट पेश हुई  
को शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली वास्ते  
बहल दिनांक 4/7/24 को पेश हो।

4/7/24

पत्रावली वास्ते बहल पेश हुई। वकील वादी  
उपस्थित। बरान्त वादी की बहल सुनी गयी।  
वास्ते निर्णय पत्रावली दिनांक 10/7/24 को पेश  
हो।

10/7/24

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। वकील  
वादी उपस्थित। भूमिधारी वद्वारा रकबा रकबा से  
पत्रावली में पूर्व में रिपोर्ट पेश हो सुनी हो वकील  
वादी ने रकबा बहल निवेदन किया कि वकील  
रकबा 836 रकबा 0.05 हे. 837 रकबा 0.16 हे.

तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

839 रकम 0.31 हेठ व रकम 840 रकम 0.47  
 कुल किला 4 कुल रकम 0.95 हेठ वन गाम  
 गुरारा पट्टाद हल्का गुरारा लहसील खण्डेला के  
 वाडी का नाम सन्त उग्र मूला नाम दर्ज है जो  
 कि गलत है वाडी का नाम गोब मे लखारण र  
 बोलचाल की भाषा मे ही सन्त उग्र मूला  
 दर्ज किया जबकि वाडी के क्षेत्रिक दस्तावेज  
 मतदाता पहचान पत्र, जनकाधार कार्ड, राशन कार्ड,  
 आधार कार्ड, बैंक पास, मे सन्त उग्र मूल  
 कुमानव दर्ज है और वाडी को इसी नाम से जाना  
 एवं पहचाना जाता है तथा वाडी की जाती राजान  
 रिपोर्ट मे उजापति दर्ज है सही व वास्तविक जाती  
 उम्हार है अतः वाडी का काड पत्र स्वीकार कर वाडी  
 का नाम सन्त उग्र मूला के स्थान पर सन्त उग्र  
 कुमानव उग्र मुरलीधर कुमानव तथा जाती उजापति  
 के स्थान पर कुमानव (उम्हार) उरुला कलापजाम  
 राजस्व रिपोर्ट मे अमल दराज किया जावे जिसके  
 लेख मे उलिनाडी ल. मुरिधारी लहसील खण्डेला  
 की रिपोर्ट पत्रावली मे प्रेष हुई। मुलाधिक रिपोर्ट  
 लहसील खण्डेला राजस्व गाम गुरारा के 836  
 836, 837, 839, 840 किला 4 रकम 0.95 हेठ मे  
 सन्त उग्र मूला रि 1/6 जाती उम्हार (उजापति) ल.  
 डेट दर्ज रिपोर्ट है तथा वाडी के दस्तावेज मे  
 वाडी का नाम सन्त कुमानव उग्र मुरलीधर कुमानव  
 दर्ज है अतः गाम गुरारा के मूनि 836, 837  
 839, 840 मे वाडी का नाम सन्त उग्र मूला के  
 स्थान पर सन्त उग्र कुमानव उग्र मुरलीधर कुमानव  
 किये जाने की अभिप्रेक्षा की है।



पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध रिपोर्ट  
 व दस्तावेज जनकाधार कार्ड, बैंक कार्ड, आधार  
 कार्ड, बैंक पास बुक, राशन कार्ड व लहसील खण्डेला  
 की रिपोर्ट आदि का अनुरोध किया गया


*(Handwritten signature)*

कील वाडी की बटस। निवेदन पर लगेर मनन  
गया। वाडी के द्वारा उम्मुत इन्सोरेगात जन  
आधार कार्ड, चैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पास बुक  
पत्र कार्ड से वाडी का नाम सन्तु उमानव उग्र मुरली  
र उमानव अंकित होने व सुताकिठ रिपोर्ट -  
हसीलदार खडेल के आधार पर वाडी का नाम  
ना उग्र मूला' के स्थान पर 'सन्तुराम उमानव  
उग्र मुरलीधर उमानव' उरुस्य किमा जाना  
आश्रयित है।

अतः वाडी का वाड पत्र अन्तर्गत धारा 88  
जो कायू. अधिनियम सुताकिठ रिपोर्ट हसीलदार  
खडेल के अनुसार स्वीकार किमा जाकर जमा  
गरी डिक्ली प्रोग्र माफे जाने पर डिक्ली किमा  
गया है तथा घोषणा की जाती है कि:-

आदेश

राजसू ग्राम गुरारा पय्यार हल्का गुरारा  
हसील खडेल गिला सीकर के अन्तर्गत भूमि  
पत्र 836, 837, 839, 840 कुल गिला 4 रकबा  
.95 ई० से वि० 1/6 की खोलेदारी भूमि में वाडी  
नाम 'सन्तु उग्र मूला' के स्थान पर 'सन्तु उमानव  
उग्र मुरलीधर उमानव' उरुस्य किमा जाता है।  
सी उकार राजसू रिमांड में अमल दरामड किमे  
गने टैलु डिक्ली गारी की जाती है। पञ्चायती फील  
उमाद टैकर नम्बर के क्रम से, तथा वाड तमसील  
गिला दफ्तर से, निर्णय खुले न्यायालय में  
गनामा गया।

  
उपसण्ड अधिकारी  
खण्डेला (सीकर)

